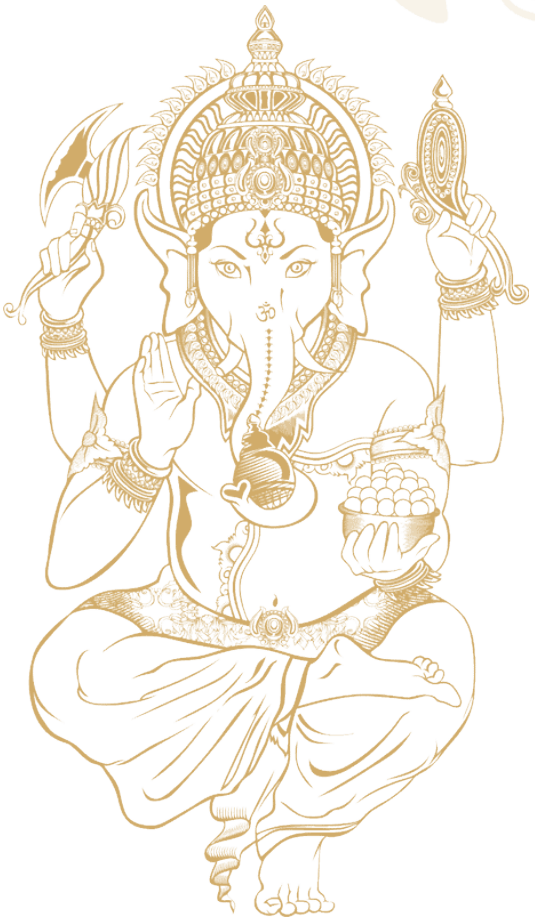

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/01/2026	जन्म तिथि	28/01/2026
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:21:00	जन्म समय	14:21:00 घंटे
घटी 17:53:28	जन्म समय(घटी)	17:53:28 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:11:36	सूर्योदय	07:11:36
17:56:51	सूर्यास्त	17:56:51
24:13:23	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:23

विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 9मा 13दि		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 7वर्ष 9मा 13दि	
चन्द्र		27:38:15	वृष	लग्न	वृष	27:38:15	चन्द्र	
28/01/2026		14:12:54	मक	सूर्य	मक	14:12:54	28/01/2026	
11/11/2033		12:57:04	वृष	चंद्र	वृष	12:57:04	11/11/2033	
	00/00/0000	09:39:54	मक	मंगल	मक	09:39:54		00/00/0000
	28/01/2026	18:52:36	मक	बुध	मक	18:52:36		28/01/2026
राहु	12/10/2026	23:33:18	मिथु व	गुरु व	मिथु	23:33:18	राहु	12/10/2026
गुरु	11/02/2028	19:23:48	मक	शुक्र	मक	19:23:48	गुरु	11/02/2028
शनि	11/09/2029	04:04:00	मीन	शनि	मीन	04:04:00	शनि	11/09/2029
बुध	11/02/2031	15:08:13	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:08:13	बुध	11/02/2031
केतु	12/09/2031	15:08:13	सिंह व	केतु व	सिंह	15:08:13	केतु	12/09/2031
शुक्र	13/05/2033	03:15:22	वृष व	हर्ष व	वृष	03:15:22	शुक्र	13/05/2033
सूर्य	11/11/2033	05:49:08	मीन	नेप	मीन	05:49:08	सूर्य	11/11/2033
		09:21:28	मक	प्लूटो	मक	09:21:28		

लग्न-चलित

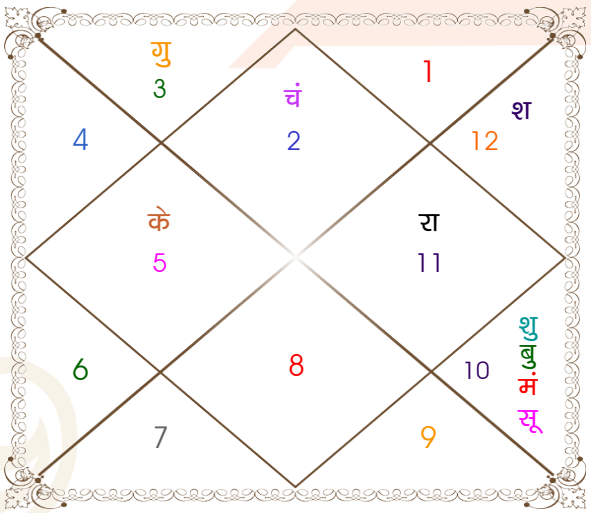

लग्न-चलित

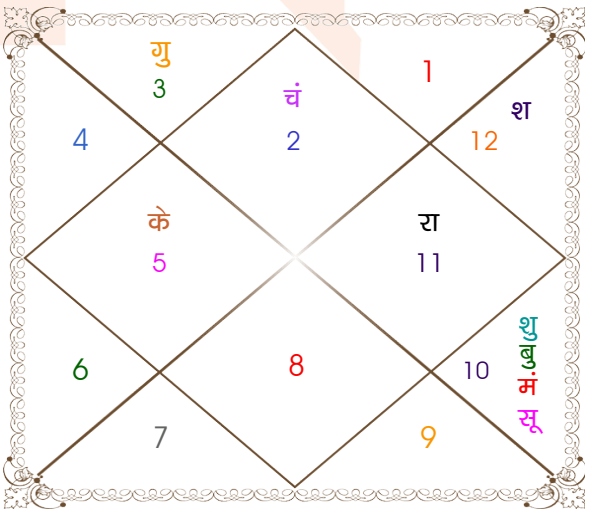

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	सर्प	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रोहिणी है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr. का वर्ग गरूड़ है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी
गाँव हीरापुर वाले
9811075424
rajenderkaushik4444@gmail.com